



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART H—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 436] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 8, 1991/शावण 17, 1913

No. 436] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 8, 1991/SRAVANA 17, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रिया वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह भंडालय

प्रधिकारना

नई दिल्ली, 8 अगस्त 1991

का.आ. 509 (अ) :— यतः जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 की 60) की धारा 3 द्वारा
प्रदत्त उपक्रियों वा प्रबोध करने हुए, केन्द्रीय सरकार ने मेहम निर्णयन क्षेत्र से हस्तियाणा अधिकार मध्य के लिए
भूतांश में छहे एक उम्मीदवार श्री अमर भिंड की मृत्यु की परिस्थितियों की जांच करने हेतु फिल्म 24 जुलाई,
1991 को अधिकारना सं.का.आ. 582 (अ) के द्वारा एक जांच आयोग गठित किया था जिसके एकमात्र
सदस्य भारत के उच्चतम न्यायालय के मेवा-निवृत्त न्यायमूर्ति श्री ई पी. मडोत थे ;

और यह; न्यायमूर्ति श्री ई.पी. मणीन ने उक्त जांच आयोग से स्थागित के दिन या तथा केवल सरकार ने 1 फरवरी, 1991 की अधिसूचना सं. IV/15013/1/90-सी.एस.आर. के द्वारा 7 दिसंबर, 1990 से उनका स्थागित स्वीकार कर लिया था ;

अतः धर्म, धर्म, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केवल सरकार एवं भारत भारत के उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री के.एन. सेकिया की नियुक्ति उक्त जांच आयोग में साकालिक प्रभाव से करती है, तथा दिनांक 24 जुलाई, 1990 की अधिसूचना सं.का.आ. 582 (अ) में निम्नलिखित संशोधन करनी है, प्रथम :—

उक्त प्राधिसूचना में “न्यायमूर्ति श्री ई.पी. मणीन” शब्दों के स्थान पर “न्यायमूर्ति श्री के.एन. सेकिया” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

[सं. IV/15013/1/90-सी.एस.आर.]

बादल के. दास, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 1991

S.O. 509(E).—Whereas in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government appointed a Commission of Inquiry consisting of a single member, Shri Justice D. P. Madon, a retired Judge of the Supreme Court of India, vide notification No. S.O. 582 (E), dated the 24th day of July, 1990, for making an inquiry into the incidents leading to the death of one Shri Amir Singh, a candidate in the elections to the Haryana Legislative Assembly from Meham constituency;

And, whereas, Shri Justice D. P. Madon resigned from the said Commission of Inquiry and the Central Government accepted his resignation with effect from the 7th day of December, 1990, vide notification No. IV/15013/1/90-CSR, dated the 1st day of February, 1991;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby appoints Shri Justice K. N. Saikia, a retired Judge of the Supreme Court of India to the said Commission of Inquiry with immediate effect and makes the following amendment in notification No. S.O. 582 (E), dated the 24th day of July, 1990, namely :—

In the said notification, for the words “Shri Justice D. P. Madon”, the words “Shri Justice K. N. Saikia” shall be substituted.

[No. IV/15013/1/90-CSR]
BADAL K. DAS, Jt. Secy.